

न्यायालय : न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, बैहर, जिला बालाघाट (म0प्र0)
(समक्ष : डी.एस.मण्डलोई)

आपराधिक प्र.क्र.: 1023 / 2014

संस्थित दि: 03 / 11 / 2014

मध्य प्रदेश राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र बिरसा,

जिला बालाघाट (म.प्र.)

— — — — — अभियोगी

विरुद्ध

रितेश कुमार पिता जोहरीसिंह मेरावी, उम्र 22 साल, जाति गोंड,

निवासी ग्राम डोरली चौकी सालेटेकरी थाना बिरसा जिला बालाघाट (म.प्र.)

— — — — — आरोपी

—:: उर्पापण — आदेश ::—

(आज दिनांक 17/11/2014 को उपापित किया गया)

- (01) इस आदेश द्वारा प्रकरण के उर्पापण पर विचार किया जा रहा है ।
- (02) प्रकरण में आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है ।
- (03) अभियोजन का प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 15.08.2014 को सुकरतीनबाई ने इस आशय की रिपोर्ट लिखाई कि उसकी बहन प्रमिला सायकिल से गांव में गई थी वापस नहीं आई। दिनांक 16.08.2014 को गांव के लोगों ने बताया कि डोरली सिंघनपुरी के बीच एक लड़की की लाश पड़ी है, जिस कुचला हुआ है, लेडीस सायकिल पड़ी हुई है। जाकर देखा तो उसकी बहन प्रमिला का सिर पत्थर से कुचला हुआ था, पेट व गर्दन में चाकू के निशान थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी बहन प्रमिला को चाकू मारकर सिर कुचल कर हत्या की है। फरियादी की रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 104/14 अन्तर्गत धारा 302 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में पाया गया कि आरोपी से प्रेम संबंध के चलते प्रमिला किसी अन्य लड़के से विवाह करना चाहती थी इस शंका के आधार पर आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से सिर पत्थर से कुचलकर प्रमिला की हत्या की। आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी से चाकू जप्त कर आवश्यक विवेचना पूर्ण कर आरोपी के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302, 201 के अन्तर्गत यह अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

- (04) उपार्पण पर उभयपक्षों को सुना गया ।
- (05) प्रकरण के अवलोकन से स्पष्ट है कि आरोपी पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302, 201 का अपराध परिलक्षित होता है। उक्त धाराओं में से भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 का अपराध माननीय सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय होने से प्रकरण को माननीय सत्र न्यायाधीश महोदय, बालाघाट के न्यायालय में उपार्पित किया जाता है।
- (06) आरोपी को धारा 207 द0प्र0सं0 के अनुसार अभियोग-पत्र की नकलें दी गईं।
- (07) उपार्पण की सूचना लोक अभियोजक, बालाघाट व मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी महोदय, बालाघाट को भेजी जावे ।
- (08) प्रकरण में आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध होने से उसका कमीटल वारंट जारी कर माननीय सत्र न्यायालय बालाघाट के समक्ष दिनांक **02.12.2014** को ठीक पूर्वान्ह में 11.00 बजे उपस्थित रखने हेतु जेल अधीक्षक, उपजेल बैहर को निर्देशित किया जाता है।
- (09) प्रकरण में जप्तशुदा सम्पत्ति नायब नाजिर, बैहर की अभिरक्षा में होने से उक्त संपत्ति माननीय न्यायालय के समक्ष आगामी नियत तिथि के पूर्व प्रस्तुत करने हेतु नायब नाजिर, बैहर को निर्देशित किया जाता है।

आदेश हस्ताक्षरित, दिनांकित कर
खुले न्यायालय में घोषित किया गया ।

आदेश मेरे उद्बोधन पर
टंकित किया गया ।

(डी.एस.मण्डलोई)
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी,
बैहर, जिला बालाघाट

(डी.एस.मण्डलोई)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
बैहर, जिला बालाघाट